वर्ष 1 - अंक 38
शनिवार 4 जनवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

बीजेपी के जिला अध्यक्ष की पैनल चर्चाओं में...

संभावित जिला अध्यक्ष

1. नर्मदापुरम से राहुल सोलंकी, संदेश पुरोहित और माधवदास अग्रवाल का नाम
2. हरदा से प्रवीण जैसानी, राजेश वर्मा और प्रदीप गौर का नाम
3. बैतूल से मधु पाटणकर, हंसराज धुर्वे और रश्मि साहू का नाम
4. रायसेन से जीवन पाल, रविंद्र विजयवर्गीय और राकेश शर्मा का नाम
5. विदिशा से अनिल सोनकर, महाराज दांगी और अरविंद श्रीवास्तव का नाम
6. सीहोर से जसपाल अरोरा, नरेश मेवाड़ा और गौरव महाजन का नाम
7. राजगढ़ से नीलम सक्सेना, अमित शर्मा और ज्ञान गुर्जर का नाम
8. खंडवा से धर्मेंद्र बजाज, रामपाल सिंह और अरुण मुन्ना का नाम
9. बुरहानपुर से बीजेपी संजय जाधव और वीरेंद्र तिवारी का नाम
10. खरगोन से लक्ष्मण इंगले, जीतेन्द्र यादव और जितेंद्र आर्य का नाम
11. बड़वानी से अजय यादव, अंजना पटेल और लोकेश शुक्ला का नाम
12. आलीराजपुर से सचिन शाह और रिंकेश तंवर का नाम
13. झाबुआ से सतेंद्र यादव, गौरव खंडेलवाल और भानू भूरिया का नाम
14. धार से विश्वास पांडे, प्रकाश धाकड़ और कुसम सोलंकी का नाम
15. शाजापुर से दिनेश शर्मा, केतल पटेल और विजय बैस का नाम
16. आगर से हरिनारायण यादव, चिंतामन राठौर और पीरूलाल कलसिया का नाम
17. देवास से राय सिंह सेंधव, राजेश यादव और माया पटेल का नाम
18. रतलाम से महेश सोनी, कालू परिहार और प्रदीप उपाध्याय का नाम
19. मंदसौर से प्रितेश चावला, प्रियंका गोस्वामी और राजेश दीक्षित का नाम
20. नीमच से राकेश जैन, हेमलता धाकड़ और राजू मोड़ी का नाम
21. पांढुर्णा से वैशाली माहले, संदीप मोहोड़ और मीनाक्षी खुरसंगे का नाम
22. छिंदवाड़ा से टीकाराम चंद्रवंशी, गरिमा दामोदर और नितिन तिवारी का नाम
23. नरसिंहपुर से वीरेंद्र फौजदार, बीना ओसवाल और राजीव सिंह का नाम
24. सिवनी से संतोष अग्रवाल, नीता पटेरिया और राजेश त्रिवेदी का नाम
25. बालाघाट से भगत नेताम, अभय कोचर और आनंद कोछड़ का नाम
26. मंडला से प्रफुल्ल मिश्रा, शशि पटेल और नीरज मरकाम का नाम
27. डिंडौरी से नरेंद्र राजपूत और जय मरावी का नाम
28. कटनी से अश्विनी गौतम, दीपक टंडन और पीतांबर तोपनानी का नाम
29. उमरिया से मान सिंह और अर्जुन सैयाम का नाम
30. अनूपपुर से जितेंद्र सोनी, रामदास पुरी और हनुमान गर्ग का नाम
31. शहडोल से अमिता चपरा, अनिल द्विवेदी और दौलत मनवानी का नाम
32. सिंगरौली से राजेश तिवारी, सुरेंद्र वैश्य और नरेंद्र शाह का नाम
33. सीधी से महेंद्र शुक्ला, पूनम सोनी और प्रमोद द्विवेदी का नाम
34. मैहर से कमलेश सुहाने, सनत गौतम और रूपनारायण पटेल का नाम
35. सतना से बाबूलाल पटेल, श्रीराम मिश्रा और सतीश शर्मा का नाम
36. मऊगंज से देवेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र चंदेल और राजेंद्र मिश्रा का नाम
37. रीवा से वीरेंद्र गुप्ता, प्रबोध व्यास और विभा पटेल का नाम
38. पन्ना से रविराज यादव, मीणा राजे और ब्रजेश मिश्रा का नाम
39. दमोह से प्रीतम लोधी, कविता राय और गोपाल पटेल का नाम
40. छतरपुर से मलखान सिंह और राजेश प्रजापति,चंद्रभान सिंह का नाम

संभल जामा मस्जिद का सर्वे हुआ पूरा

मंदिर होने के कई 'सबूतों' सहित 1200 से अधिक फोटो भी सौंपे

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

चंदौसी कोर्ट में शाही जामा मस्जिद के सर्वे की रिपोर्ट गुरुवार को दाखिल की गई। 40 पन्नों की यह रिपोर्ट कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने बंद लिफाफे में सिविल जज आदित्य सिंह की कोर्ट में सौंपी। सुरक्षा कारणों से यह रिपोर्ट गुपचुप तरीके से दाखिल की गई। रिपोर्ट में शाही मस्जिद के अंदर हुए सर्वे का पूरा विवरण था, जिसमें साढ़े चार घंटे की वीडियोग्राफी और 1200 से अधिक फोटो शामिल हैं।

सर्वे रिपोर्ट में खुलासे

रिपोर्ट के अनुसार, शाही जामा मस्जिद के अंदर दो वट वृक्ष हैं। मस्जिद में एक कुआं भी है, जो आधा अंदर और आधा बाहर है। बाहर वाले हिस्से को ढक दिया गया है। इसके अलावा, मस्जिद में 50 से ज्यादा फूल के निशान मिले हैं। मुख्य द्वार के 2 खंभों में ऊपर की तरफ कमल की आकृति मिली है। ये भी दावा है कि कमल के फूल की आकृति के ऊपर नक्काशीदार कलश मिला है। गुंबद के हिस्से को प्लेन कर दिया गया है। पुराने निर्माण में बदलाव के प्रमाण मिले हैं और मंदिर के शेप को प्लास्टर और पेंट से ढक दिया गया है। मस्जिद की मुख्य इमारत के बाहरी भाग पर दो आले मिलने का भी दावा किया गया है। दावा तो ये भी है कि दोनों आलों पर मंदिर की घंटी के निशान हैं। मस्जिद के मुख्य गुंबद के भीतरी हिस्से पर मंदिर के घंटे की जंजीर होने का दावा किया गया है।

कोर्ट कमिश्नर का बयान

कोर्ट कमिश्नर रमेश राघव ने बताया कि शाही जामा मस्जिद के सर्वे के लिए 19 नवंबर को कोर्ट ने आदेश दिया था और उसी दिन सर्वे किया गया था, लेकिन सर्वे पूरा नहीं हो पाया था। इसके बाद 24 नवंबर को फिर से सर्वे किया गया, जिसमें डीएम और एसपी भी मौजूद थे। सर्वे के दौरान हिंसा हुई, जिसमें लगभग चार लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट 9 दिसंबर को कोर्ट में पेश की जानी थी, लेकिन कोर्ट कमिश्नर ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए 15 दिन का समय मांगा था। अब रिपोर्ट कोर्ट में पेश कर दी गई है। मामले की अगली सुनवाई या नई डेट को लेकर उन्होंने कहा कि रेस्पॉन्डेंट नंबर 6 (मुस्लिम पक्ष) अगर हाईकोर्ट जाते हैं तो उसके आधार पर देखा जाएगा कि आगे क्या होगा।

वक्फ के दस्तावेज में फर्जीवाड़े का खुलासा

संभल में मस्जिद के सामने बन रही पुलिस चौकी के बारे में वक्फ के दस्तावेजों को लेकर प्रशासन की 3 सदस्यीय टीम ने यह खुलासा किया है कि वक्फ के दस्तावेजों में 3-4 किलोमीटर क्षेत्र की हजारों बीघा भूमि को वक्फ दर्ज किया गया था, जो कि गलत था। डीएम राजेंद्र पेंसिया ने कहा कि अगर यह सही होता तो संभल शहर और गांव की बहुत सारी संपत्तियां वक्फ की हो जातीं। इस मामले में अब फर्जीवाड़े का केस दर्ज किया जाएगा।

बिहार के गरीबनाथ मंदिर की जमीन वक्फ का दावा

संभल में खुदाई के बीच सोगरा वक्फ बोर्ड ने बिहार के प्रसिद्ध बाबा गरीबनाथ मंदिर को नैवेद्यम प्रसाद की बिक्री के लिए नगर निगम की ओर से दी गई जमीन पर दावा ठोक दिया है। बिहार स्टेट वक्फ ट्रिब्यूनल ने मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी को जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की सुनवाई 28 जनवरी को बिहार वक्फ न्यायाधिकरण पटना में होगी।

हमें भी है चिंता, सरकार को रातभर हमने सोने नहीं दिया

यूका कचरे पर बैठक में विजयवर्गीय बोले

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

भोपाल से इंदौर आए 337 टन विषैले कचरे को लेकर जारी विरोध के बीच इंदौर में कैलाश विजयवर्गीय की मौजूदगी में गुरुवार को बैठक हुई। इसमें उन्होंने कहा कि हमें भी शहर की चिंता है। रातभर हमने सरकार को सोने नहीं दिया। जहरीले कचरे से आम जनता न डरे। शंका का समाधान जरूरी है।

एक घंटे चली बैठक में कचरा जलाने का खुलकर विरोध हुआ। इस दौरान विजयवर्गीय ने अफसरों से यह भी पूछा कि 2015 में 10 टन जहरीले कचरे को जलाया गया तो क्या पीथमपुर की जनता को जानकारी थी? इसका अफसर कोई जवाब नहीं दे सके। आईएएस विवेक पोरवाल ने कहा कि पीथमपुर में दो बार कचरे का ट्रायल हो चुका है। फसल की उत्पादकता, पानी की जांच की गई। 17 जगहों पर बोर कर 37 मापदंडों पर परीक्षण किया गया। पानी दूषित नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने जल्दबाजी नहीं की।

इंदौर को ही क्यों चुना

डॉ. संजय लोंढे ने सवाल उठाया कि भोपाल का कचरा इंदौर में ही क्यों जलाया जा रहा है? अफसरों ने कहा कि पहले जो ट्रायल किया गया। उसके आधार पर ही फैसला लिया गया। अतुल सेठ ने कहा कि ठंड के समय वातावरण में धुआं देर तक बना रहता है। कचरा अभी क्यों जलाया जा रहा है। अफसरों ने कहा कि कचरे के निपटान में चार से छह माह का समय लगेगा। डॉ. एसएस नैयर ने सवाल उठाया कि पहले जो कचरा जलाया गया, उसका खुलासा तब क्यों नहीं किया गया। हमेशा कचरा जलाने का काम छुपकर क्यों किया गया। अफसरों ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि को इस बारे में बताया गया था। शिक्षाविद एसएल गर्ग ने कहा कि जलाने से पहले कचरे की प्रयोगशाला में जांच होना चाहिए।

कठिनाइयों को पार कर बनीं देश की पहली अध्यापिका

देशभर में प्रतिवर्ष 3 जनवरी के दिन को सावित्रीबाई फुले जयंती के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्म 3 जनवरी 1831 महाराष्ट्र के सतारा जिले के एक गांव में हुआ था। उन्हीं को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष इस दिन को सेलिब्रेट किया जाता है। सावित्रीबाई फुले को समाज सेविका, नारी मुक्ति आंदोलन में हिस्सा लेने वाली और देश की पहली अध्यापिका के रूप में जाना जाता है। सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं के लिए भी लम्बी लड़ाई लड़ी और उनकी स्थिति में सुधार के लिए बहुत योगदान दिया।

सावित्रीबाई फुले का जन्म एक दलित परिवार में हुआ था। पहले के समय में दलितों को शिक्षा आदि से वंचित रखा जाता था लेकिन सावित्रीबाई फुले ने इन सब कुरीतियों से लड़कर अपनी पढ़ाई जारी रखी। उनके समाज में छुआ-छूत का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने इन सबसे हार न मानकर अपनी शिक्षा जारी रखी। इसके बाद उन्होंने अहमदनगर और पुणे में अध्यापक बनने की ट्रेनिंग पूरी की और बाद में अध्यापिका बनीं।

सावित्रीबाई फुले जब 9 वर्ष की थीं तब उनका विवाह कर दिया गया। उनका विवाह ज्योतिबा फुले के साथ हुए, विवाह के समय उनकी आयु 13 वर्ष थी। अपनी ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर 1848 में पहला महिला स्कूल खोला। इसके बाद उन्होंने देशभर में कई अन्य महिला विद्यालयों को खोलने में मदद की। उनके इस कार्य के लिए ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने उन्हें सम्मानित किया था।

सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर कई आंदोलनों में भाग लिया जिसमें से एक सती प्रथा भी था। उन्होंने विधवा होने पर महिलाओं का मुंडन किया जाता था जिसके खिलाफ उन्होंने मुखर होकर नाइयों के खिलाफ आंदोलन किया था।

अपने पति का किया अंतिम संस्कार, खुद का प्लेग से निधनसावित्रीबाई के पति ज्योतिराव का निधन 1890 में हो गया। उस समय उन्होंने सभी सामाजिक मानदंडों को पीछे छोड़ते हुए उन्होंने अपने पति का अंतिम संस्कार किया और उनकी चिता को अग्नि दी। इसके करीब सात साल बाद जब 1897 में पूरे महाराष्ट्र में प्लेग की बीमारी फैला तो वे प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद करने निकल पड़ी, इस दौरान वे खुद भी प्लेग की शिकार हो गई और 10 मार्च 1897 को उन्होंने अंतिम सांस ली।

भारत की पहली महिला शिक्षिकाः सावित्रीबाई फुले को भारत की पहली महिला शिक्षिका के रूप में जाना जाता है। अपने पति ज्योतिराव फुले के साथ, उन्होंने उस समय लड़कियों और महिलाओं के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जब महिला शिक्षा को बड़े पैमाने पर उपेक्षित किया गया था।

महिला शिक्षा की अग्रदूतः सावित्रीबाई फुले महिलाओं के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने में अग्रणी थीं और उन्होंने लड़कियों के लिए स्कूल स्थापित करने के लिए अथक प्रयास किया। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी प्रगति को बाधित करने वाले सामाजिक मानदंडों को तोड़ने में शिक्षा के महत्व को समझा।

स्कूलों की स्थापनाः ज्योतिराव फुले के साथ, सावित्रीबाई ने 1848 में पुणे में लड़कियों के लिए पहले स्कूल की स्थापना की, जिसे "स्वदेशी पुस्तकालय" के रूप में जाना जाता है. लड़कियों को शिक्षित करने के अपने प्रयासों के लिए उन्हें काफी विरोध और आलोचना का सामना करना पड़ा, लेकिन इस उद्देश्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अटूट रही।

सामाजिक समानता को बढ़ावाः सावित्रीबाई फुले अपने पति के साथ सामाजिक समानता की प्रबल समर्थक थीं। उन्होंने दलितों सहित हाशिये पर मौजूद और उत्पीड़ित समुदायों के उत्थान की दिशा में काम किया। उन्होंने छुआछूत और जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ सक्रिय रूप से अभियान चलाया।

कवयित्री और लेखिकाः सावित्रीबाई फुले न केवल एक शिक्षिका बल्कि एक प्रखर कवयित्री भी थीं। उन्होंने प्रभावशाली कविताएँ लिखीं जिनमें महिलाओं पर अत्याचार और जाति व्यवस्था सहित सामाजिक मुद्दों को संबोधित किया गया। उनके लेखन में सामाजिक न्याय और समानता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता झलकती है।

बाल विवाह के खिलाफ लड़ाईः सावित्रीबाई फुले बाल विवाह के खिलाफ मुखर थीं और महिलाओं के अधिकारों की वकालत करती थीं। उन्होंने बाल विवाह की रोकथाम की दिशा में सक्रिय रूप से काम किया और लड़कियों पर कम उम्र में विवाह के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई।

अनाथालय की स्थापनाः अनाथ और बेसहारा बच्चों की दुर्दशा को समझते हुए, सावित्रीबाई फुले ने अपने पति के साथ मिलकर पुणे में एक अनाथालय की स्थापना की। यह संस्था अनाथ बच्चों को उनकी जाति या पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना घर और शिक्षा प्रदान करती थी।

शाखा में आए थे अंबेडकर, भाषण भी दिया : आरएसएस

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को लेकर नया दावा किया गया है। संघ की मीडिया शाखा ने दावा किया कि भारतीय संविधान के निर्माता माने जाने वाले भीमराव आंबेडकर भी संघ की शाखा में आए थे। उन्होंने 2 जनवरी 1940 को सतारा जिले के कराड में लगी एक शाखा का न सिर्फ दौरा किया बल्कि वहां पर मौजूद स्वयंसेवकों को संबोधित भी किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक संघ की मीडिया शाखा की विदर्भ इकाई ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर और आरएसएस के बारे में गलत जानकारियां भी फैलाई गईं। हालांकि अब उनके बारे में नया दस्तावेज सामने आया है, जो बाबा साहेब और संघ के बीच के संबंध को उजागर करता है। शाखा के मुताबिक आंबेडकर ने अपने संबोधन में कहा, "हालांकि कुछ मुद्दों पर मतभेद हैं लेकिन तब भी मैं संघ की तरफ आत्मीयता की दृष्टि से देखता हूं।* वीएसके ने समाचार क्लिपिंग के साथ जारी अपने बयान में कहा, "9 जनवरी 1940 को पुणे के एक मराठी दैनिक समाचार पत्र केसरी में डॉक्टर आंबेडकर की आरएसएस शाखा में जाने की रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी। इस लेख में, विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी की एक किताब का उल्लेख करके आंबेडकर और संघ के बीच के संबंधों को दिखाया गया।

प्रयागराज। महाकुंभ क्षेत्र में बृहस्पतिवार को पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी के महामंडलेश्वरों, आचार्यों, मंडलेश्वरों और श्रीमहंतों ने सुसज्जित रथों पर सवार होकर छावनी प्रवेश किया।

सफलता की कहानी

एक शिक्षक के समर्पण ने बदल दी गांव के स्कूल की तस्वीर

रणजीत टाइम्स (जगदीश पाल)

खनियाधाना में शिक्षक ब्रह्मानंद मीणा की मेहनत से शासकीय विद्यालय में प्रतिदिन शत प्रतिशत उपस्थिति हासिल की गई

खनियाधाना के शासकीय प्राथमिक विद्यालय भुजरऊ में शिक्षक ब्रह्मानंद मीणा के प्रयासों से छात्रों की उपस्थिति शत प्रतिशत हो गई है। यह एक अनोखी उपलब्धि है, खासकर तब जब कई सरकारी विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति कम होती है।

विकासखंड स्त्रोत समन्वयक संजय भदोरिया ने बताया कि शिक्षक ब्रह्मानंद मीणा जी के प्रयासों से विद्यालय में उपस्थिति शत प्रतिशत रहती है। उन्होंने आगे बताया कि एफ एल एन एवं नवाचार गतिविधियों के माध्यम से खेल-खेल में पढ़ाई बहुत ही आकर्षक होने से बच्चे उपस्थित रहते हैं। स्वयं हमारे जिला परियोजना समन्वयक श्री दफेदार सिंह सिकरवार जी ने कई बार ब्रह्मानंद जी का उदाहरण देकर शिक्षकों को मोटिवेशन करते हुए उम्मीद की, कि काश हमारा हर शिक्षक ब्रह्मानंद जैसा होता शिक्षक ब्रह्मानंद मीणा ने 2014 में विद्यालय में अपनी पहली नियुक्ति ली थी। उस समय विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति बहुत कम थी। मीणा जी ने स्टाफ के सहयोग से छात्रों की उपस्थिति बढ़ाने पर ध्यान दिया। उन्होंने अनुपस्थित रहने वाले छात्रों से मिले, उनके माता-पिता को पढ़ने के प्रति प्रेरणा दी, और घर-घर जाकर संपर्क किया। इसके अलावा, मीणा जी ने बच्चों को पढ़ने के लिए टीएलएम सामग्री का उपयोग किया और खेल-खेल में पढ़ाने की तकनीक अपनाई। उन्होंने शत प्रतिशत उपस्थिति को लेकर बच्चों को पुरस्कार भी दिए। विद्यालय में शून्य निवेश नवाचार के माध्यम से गतिविधियां आयोजित की गईं, जिन्हें शिवपुरी में अरविंदो सोसायटी द्वारा सम्मानित किया गया। कोरोना के समय में, मीणा जी ने बच्चों के व्हाट्सएप ग्रुप पर संपर्क कर पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने फोन के माध्यम से भी बच्चों से संपर्क बनाए रखा। गत वर्ष, विकासखंड स्तरीय कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक का पुरस्कार भी प्राप्त किया। इसके अलावा, जिला स्तर पर भी उन्हें उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया। आज, खनियाधाना के शासकीय प्राथमिक विद्यालय भुजरऊ में शत प्रतिशत उपस्थिति हासिल की गई है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। यह शिक्षक ब्रह्मानंद मीणा की मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

पिछोर विधायक ने किया कछौआ तथा बामोर डामरोंन उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन

56 लाख रुपए की लागत से बनाया जाएगा उपस्वास्थ्य केंद्र

रणजीत टाइम्स (जगदीश पाल)

पिछोर (शिवपुरी) शुक्रवार को पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने कछौआ तथा बामोर डामरोंन में छप्पन लाख रूपये की लागत से बनने बाले उपस्वास्थ्य केंन्द्रो का भूमि पूजन किया ! इस मौके पर स्थानीय ग्रामीण जन के अलावा भाजपा मंडल अध्यक्ष तथा अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे ! जानकारी के अनुसार पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी द्वारा 03 जनवरी शुक्रवार को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा करीब 56 लाख रुपए की लागत से स्वीकृत आयुष्मान आरोग्य उप स्वास्थ्य केंद्र कछौआ तथा बामोर डामरोंन उप स्वास्थ्य केन्द्रो का भूमि पूजन किया गया, इस मौके पर विधायक द्वारा आश्वासन दिया है कि मैं प्रत्येक ग्राम पंचायतों में चाहे स्वास्थ्य हो या शिक्षा हो या रहने के लिए आवास की आवश्यकता हो हम वह सभी जरूरतमंद कार्य करेंगे जिनकी आप लोगों को आवश्यकता है,मध्यप्रदेश में हमारी सरकार द्वारा जन्म से लेकर मृत्यु तक की सभी योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनका आमजनों को लाभ मिल सके !आप लोगों को दूर-दूर तक इलाज कराने के लिए अब नहीं भागना पड़ेगा अब आपके ही गांव में कुछ समय बाद स्वास्थ्य की सुविधाये मिलेगी ! हमने आप लोगों के बीच जो वायदे किए हैं बह पूरा करेंगे ! जो कार्य 30 साल में नहीं हो सके वह मैंने एक वर्ष में करके दिखा दिए ! और अभी तो 4 साल बाकी हैं आप लोगों के बीच रहकर अभी बहुत विकास कार्य करने हैं !

जनता को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष कृष्ण बिहारी गुप्ता ने बताया कि क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी के प्रयासों से आज हमारे गांव में जहां स्वास्थ्य सुविधा नहीं थी जिसका आज भूमि पूजन किया गया है हमारी ग्राम पंचायत में सड़कों का भी विधायक द्वारा चार माह पूर्व भूमि पूजन किया गया था उन सड़कों का कार्य भी चल रहा है ! इस मौके पर विधायक द्वारा बामोर डामरोंन में उपस्वास्थ्य केंद्र लाने के लिए आभार प्रकट किया ! इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि गौरव मिश्रा, महेश डोंगर, सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे !

2025: जनवरी में

पूरे 15 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। नया साल 2025 दस्तक दे चुका है और साथ ही हर किसी के लिए बैंकिंग से जुड़े कामकाज को समय पर निपटाना भी जरूरी हो जाएगा।

5 जनवरी 2025: रविवार के चलते देश भर में बैंक बंद रहेंगे
6 जनवरी 2025: गुरु गोबिंद सिंह जयंती के मौके पर बैंक बंद रहेंगे
11 जनवरी 2025: महीने के दूसरे शनिवार के कारण बैंकों में अवकाश रहेगा
12 जनवरी 2025: रविवार और स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर छुट्टी होगी
14 जनवरी 2025: मकर संक्रांति और पोंगल के कारण बैंक बंद रहेगा
15 जनवरी 2025: तिरुवल्लुवर दिवस, माघ बिहू और मकर संक्रांति के चलते बैंक की छुट्टी रहेगी.
16 जनवरी 2025: उज्जवर तिरुनल के अवसर पर बैंक में छुट्टी होगी
19 जनवरी 2025: रविवार के चलते देश भर में बैंक बंद रहेंगे.
22 जनवरी 2025: इमोइन के कारण बैंकों की छुट्टी रहेगी.
23 जनवरी 2025: नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर बैंक बंद रहेंगे
25 जनवरी 2025: महीने के चौथे शनिवार के चलते देश भर में बैंक बंद रहेंगे
26 जनवरी 2025: गणतंत्र दिवस के मौके पर राष्ट्रीय अवकाश रहेगा
30 जनवरी 2025: सोनम लोसर के अवसर पर बैंक बंद रहेंगे.।

पीथमपुर में दो युवकों ने की आत्मदाह की कोशिश:पुलिस ने अस्पताल भेजा; रामकी इंडस्ट्रीज की तरफ बढ़े आंदोलनकारी

भोपाल गैस त्रासदी के 40 साल बाद फिर से संकट की आहट

पीथमपुर में कचरा जलाने की योजना पर उठे सवाल

रणजीत टाइम्स

पीथमपुरः 40 साल पहले 1984 में भोपाल गैस त्रासदी ने न केवल मध्य प्रदेश बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। यूनियन कार्बाइड से लीक हुए जहरीले गैस के कारण हजारों लोग मारे गए, और लाखों की जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। अब, चार दशकों बाद, पीथमपुर में कचरा जलाने की योजना एक बार फिर से पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। करणी सेवा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र गौतम जी ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने रणजीत टाइम्स से बातचीत में कहा, "भोपाल गैस त्रासदी ने हमें सबक दिया कि पर्यावरण और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही कितनी घातक हो सकती है। लेकिन ऐसा लगता है कि हम उस त्रासदी से कुछ नहीं सीखे हैं। पीथमपुर में कचरा जलाने की योजना उसी लापरवाही की पुनरावृत्ति है।"

पर्यावरणीय खतरा और जनता की चिंताएं

कचरा जलाने से निकलने वाले जहरीले धुएं से क्षेत्र के पर्यावरण पर भारी असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह योजना हवा और मिट्टी को प्रदूषित कर सकती है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में वृद्धि होगी। भोपाल

संकट की आहट

गैस त्रासदी के बाद भी ऐसे कई मामले सामने आए जहां पर्यावरणीय खतरों को नजरअंदाज किया गया, और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ा।

श्री गौतम ने चेतावनी दी कि

"कचरा जलाने से हवा में जहरीले तत्व फैलेंगे, जो सांस की बीमारियां, कैंसर और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। हमें इतिहास से सबक लेना चाहिए और ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहिए जो भविष्य के लिए खतरनाक हो।"

सरकार से अपील और चेतावनी

करणी सेवा ने सरकार से निवेदन किया है कि वह इस योजना पर तत्काल रोक लगाए और कचरे के निपटान के लिए वैकल्पिक, पर्यावरण-अनुकूल समाधान अपनाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाती है, तो करणी सेवा संगठन जनता के साथ मिलकर विरोध प्रदर्शन करेगा।

श्री गौतम ने कहा,

"हम माननीय मुख्यमंत्री जी से निवेदन करते हैं कि भोपाल गैस त्रासदी के जैसे किसी अन्य संकट से बचने के लिए तत्काल कार्रवाई करें। यदि सरकार ने यह योजना लागू की, तो हम इसे रोकने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे।"

भोपाल त्रासदी की यादें आज भी जिंदा

भोपाल गैस त्रासदी की भयावहता आज भी मध्य प्रदेश के लोगों के जहन में ताजा है। इस त्रासदी ने न केवल हजारों जिंदगियां लीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित किया। अब, पीथमपुर में कचरा जलाने की योजना एक बार फिर से वैसी ही स्थिति पैदा करने की आशंका जता रही है।

स्थानीय जनता और संगठनों का समर्थन

स्थानीय निवासी भी करणी सेवा के साथ इस योजना का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण और स्वास्थ्य को खतरे में डालने की यह योजना भोपाल त्रासदी जैसे संकट को जन्म दे सकती है।

रणजीत टाइम्स सरकार से अपील करता है ....

कि जनता और पर्यावरण के हित में जिम्मेदार कदम उठाए जाएं और पीथमपुर को संभावित आपदा से बचाया जाए।

रणजीत टाइम्स कार्यालय

एनयूजेआई से संबद्ध जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश की टीम इंदौर संभाग की विशेष चर्चा संपन्न

इंदौर। रणजीत टाइम्स कार्यालय में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (ब्रुसेल्स) से सम्बद्ध नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) राज्य इकाई जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश (जम्प) की टीम इंदौर संभाग के द्वारा पत्रकारों के हितों के लिए इंदौर की धाकड़ उपस्थित रहे। उन्होंने संगठन द्वारा दिए गए इस दायित्व को लेकर रणजीत टाइम्स के प्रमुख संपादक गोपाल गावंडे को बधाई दी और इसे पत्रकार हितों के लिए एक बड़ा कदम बताया।

रणजीत टाइम्स के मुख्य संपादक गोपाल गावंडे ने कहा, "हमारा उद्देश्य इंदौर के सभी पत्रकारों को एकजुट करना है और उनकी समस्याओं को न केवल उठाना, बल्कि उनका समाधान करना भी है। जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ मध्यप्रदेश की इंदौर संभाग की टीम हमेशा पत्रकारों के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगीं।"

इस अवसर पर संगठन ने पत्रकारिता में पारदर्शिता और पत्रकारों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में आगामी कार्य योजनाओं को लेकर रणनीतियां तय की गईं और इस दिशा में जल्द ही कदम उठाने की बात कही गई।रणजीत टाइम्स अपने पाठकों को आगे भी ऐसी खबरों और पत्रकारिता की सच्ची आवाज़ से जोड़ने का वादा करता है।

कमान सौंपे जाने पर एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख पत्रकारों ने संगठन की आगामी योजनाओं और इंदौर के सभी पत्रकारों को एकजुट करने के दायित्व पर चर्चा की।

इस बैठक में विशेष रूप से वरिष्ठ पत्रकार पांडुरंग खंडागले, इंदौर संभाग संयोजक उत्सव सोनी, और राजेश

रिपोर्टरः रणजीत टाइम्स

क्या आप भी बनना चाहते हैं
जनता की आवाज ?
तो जुड़िए रणजीत टाइम्स न्यूज़पेपर के साथ
और बनिए जनता की सशक्त आवाज
आपकी खबर, आपकी ताकत!
जुड़ने के लिए अभी संपर्क करें
9827068888, 8224951278
आपका रणजीत टाइम्स
जनताकीआवाज